TOI, 6/6/19, P:1

Three students from Bengal make it to NEET top 50 list

Somdatta.Basu
@timesgroup.com

Kolkata: Three examinees from Bengal finished in the top 50 in the National Eligibility cum Entrance Test (NEET) 2019, the single admission test to medical colleges across the country, results of which were published on Wednesday. Last year, there were just two.

State topper Hemant Khandelia, with a score of 691, ranked 11th, Bengal's best recent showing. The other two were Sayan Shah and Diprasom Das. They scored 685 each, but have different ranks: 44th and 46th.

STATE'S TOP THREE

Name	All India Rank	Marks
Hemant Khandelia	11	691
Sayan Shah	44	685
Diprasom Das	46	685
Qualified from Bengal | 59.4%		

The qualifying percentage from Bengal, too, improved significantly—59.4%, up from last year's 58.6%. There was also a rise in the number of candidates who took the exam in Bengali—from 27,437 in 2018 to 31,490. This year, like last year, the paper was directly translated, instead of a separate set being framed.

▶'Ambiguity in 2 answers', P 2

Raj boy tops NEET, scores 701 out of 720

Nalin Khandelwal of Rajasthan's Sikar has topped NEET, scoring 701 out of 720. Delhi's Bhavik Bansal and Akshat Kaushik from Uttar Pradesh secured the second and third positions respectively with 700 marks. P 9

MEET THE NEET STARS

Three candidates from Bengal, who feature among the top 50 in NEET this year, share their success stories with TOI

Hemant Khandelia

All India Rank | 11

Score | 691

School South Point

"I used to study for about seven hours every day. Mock tests allowed me to revise my syllabi and gave me confidence. Not being addicted to social media helped me concentrate on my studies. I would specialize either in neurology or oncology. I want to study in Maulana Azad Medical College in New Delhi

M H Sayan Shah

All-India rank | 44

Score | 685

School | St Anthony's School,Kurseong

"I toiled through the rigorous curricula in Kota for two years where I stayed with my mother. I would spend six hours at the coaching institute and devote another six hours to self-study. I want to get through Maulana Azad Medical College. I haven't decided on an area of specialization yet

Diprasom Das

All-India rank | 46

Score | 685

School | Birla High

"Self-study was an important part of my preparation. I did not have any private tutors and relied on school teachers and the coaching centre. I used to study for three hours by myself on weekdays and for 12 hours on weekends. Mock tests were very helpful. I want to complete my MBBS and devote myself to medical research. I haven't decided on any specific area as of now

Text by Isha Lahiri & Meghna Das

Millenniumpost 06-06-19 P:4

3 Bengal candidates secure ranks in NEET

OUR CORRESPONDENT

REPRESENTATIVE IMAGE

KOLKATA: Three candidates from Bengal have managed to secure ranks in the National Eligibility cum Entrance Test (NEET) the result of which was published on Wednesday afternoon. However, many candidates, failed to check their result due to a server failure till late on Wednesday evening resulting in confusion among the medical aspirants.

The candidates have raised questions on how such technical problems occur in a high profile exam like NEET where lakhs of candidates from across the country take part. NEET is a national level medical entrance examination conducted by the National Testing Agency (NTA).

Hemant Khandelia from Bengal has ranked 11 in the merit list with 691 marks out of 720 while M.H Sayan Shah has got a rank of 44 with 685 marks. Diprasom Das has managed to secure a rank of 46 with 685 marks. All of them are male candidates belonging to unreserved category.

Among other states Delhi has bagged 9 candidates who have secured their ranks below 50 in the merit list. Rajasthan and Uttar Pradesh have 6 candidates having found ranks below 50.

However, many candidates, failed to check their result due to a server failure till late on Wednesday evening resulting in confusion among the medical aspirants

In case of Bengal the number stands at three.

Many candidates from the city who hooked on the NTA portal on Wednesday afternoon failed to pull out their results as the server was down. Dr A.K Maity, an expert in the field of medical education in the country said that the NTA which has been assigned to carry out the NEET must come up with a full proof system so that the students are not inconvenienced.

Dr Maity said that there were some issues with the NEET question paper. He said that there were some set of questions which had multiple correct answers on the OMR sheets as a result of which many students preferred not to attempt the questions. In a highly competitive examination like NEET, even a fraction of marks can put a candidate far behind in the merit list.

Sanmarg 6.6.19 P:5

नीट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने ये कहा

जया पाठक

कोलकाता : नीट की परीक्षा में महानगर के कई छात्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। **सन्मार्ग** ने ऐसे छात्रों से बात कर उनकी कामयाबी के पीछे का कारण जाना। बिरला हाई स्कूल के **दिप्र सोम दास** ने ऑल इंडिया में 46वां रैंक हासिल किया है। वह बिरला स्कूल का छात्र है साथ ही आकाश इंस्टिट्यूट से भी उसने तैयारी की थी। दिप्र सोम दास ने बताया कि अच्छे रैंक के लिए कब क्या पढ़ना है इसका तय समय होना चाहिए साथ ही उसने बताया कि आकाश इंस्टिट्यूट द्वारा दिये गए मैटेरियल्स ने भी उसकी तैयारियों में काफी मदद की।

हर्ष रामोलिया ने आल इंडिया में 85वां रैंक प्राप्त किया है। उसे इतने अच्छे रैंक की उम्मीद नहीं थी लेकिन कड़ी मेहनत और आकाश इंस्टिट्यूट के शिक्षकों द्वारा दी गयी तैयारियों के वजह से यह संभव हो पाया। अच्छे रैंक के लिए टाइम टेबल को हर्ष ने अनिवार्य बताया। साथ ही उसने कहा कि घर में अच्छा माहौल भी बेहद जरूरी है। वह आगे कार्डियोलॉजिस्ट बनना चाहता है। के बी फोर्टिलियम के छात्र **फहिम अहमद** ने 116 वां रैंक हासिल किया है। उसने बताया कि उसको इस कामयाबी के पीछे आकाश इंस्टिट्यूट का बहुत बड़ा हाथ है। साथ ही उसने अपने कामयाबी के पीछे अपने पिता का योगदान बताया। बिरला हाई स्कूल के छात्र **किंसुक चौधरी** ने ऑल इंडिया में 179 रैंक प्राप्त किया है। उसने बताया कि वह दिन में 2 घंटे की पढ़ाई करता था लेकिन जो भी पढ़ता था मन लगाकर पढ़ता था। इंस्टिट्यूट द्वारा दी गयी महत्वपूर्ण जानकारियों ने भी उसका सफर काफी आसान बना दिया।

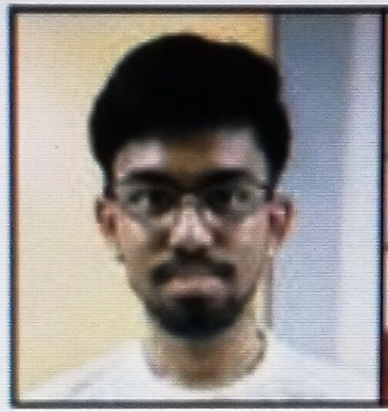

दिप्रसोम दास

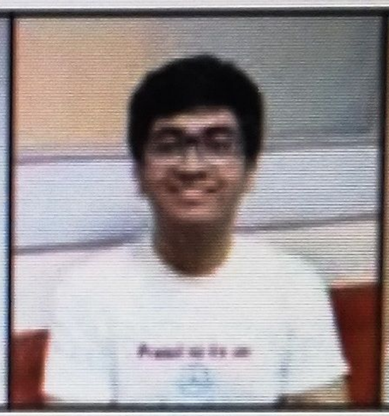

हर्ष रामोलिया

फहिम अहमद

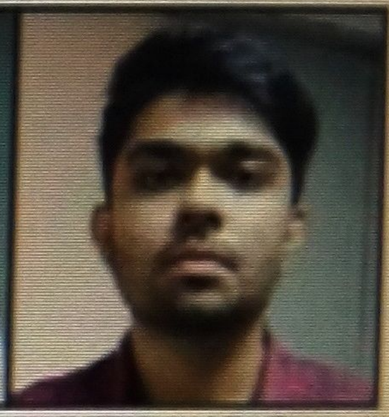

किंशुक चौधरी

न्यूरोलॉजिस्ट बनने की है इच्छा - हेमंत

कोलकाता : नीट 2019 के परीक्षा में ऑल इंडिया में 691 अंक पाकर 11वां रैंक प्राप्त कर **हेमंत खंडेलिया** ने बंगाल टॉप किया है। हेमंत साउथ प्वाइंट हाई स्कूल का छात्र है साथ ही आकाश इंस्टिट्यूट से भी उसने परीक्षा की तैयारी की थी। वह दक्षिण कोलकाता के पिकनिक गार्डेन का रहने वाला है। हेमंत के मुताबिक रेग्युलर स्टडी और शेड्यूल बनाकर पढ़ने से ही यह रैंक लाना संभव हो पाया। साथ ही मन में प्रतियोगिता का भाव भी रहना जरूरी है। हेमंत ने **सन्मार्ग** को बताया कि उसने काफी कड़ी मेहनत की थी इस लिए जानता था कि रैंकिंग आएगी लेकिन इतने अच्छे नंबर की उम्मीद नहीं थी। अपनी तैयारियों के बारे में हेमंत ने बताया कि वह सिलेबस पूरा करने के साथ -साथ प्रतिदिन टेस्ट देते रहता था। उसकी इस कोशिश में आकाश इंस्टिट्यूट का भी काफी योगदान रहा। उसने कक्षा 11 वीं से ही नीट की तैयारी पर पूरा जोर दिया था। उसने कहा कि इस उपलब्धि के लिए अकादमिक तौर पर भी पूरा ध्यान देना आवश्यक है। साथ ही उसने अपने माता- पिता **निलेश** व **दीपा** खंडेलिया का भी इस उपलब्धि के पीछे अहम योगदान बताया। उसने कहा कि उसके पिता उसे कभी पढ़ने के लिए नहीं बोलते थे। उन्होंने उसे अपने हिसाब से तैयारी करने की पूरी छूट दी थी। कहीं न कहीं ऐसे माहौल से भी प्रेरणा मिलती है कुछ अच्छा कर गुजरने की। गर्व के इस क्षण में माता-पिता ने कहा कि हेमंत उनकी आशाओं पर शत प्रतिशत खरा उतरा है। हेमंत ने बताया कि भविष्य को लेकर फिलहाल वह कुछ तय नहीं कर पाया है लेकिन वह न्यूरोलॉजी में आगे की पढ़ाई करना चाहता है।

नीट की तैयारी कराने वाले इंस्टिट्यूट आकाश के सेंट्रल डायरेक्टर **सुनील अग्रवाल** ने बताया कि आकाश छात्रों को बेहतर से बेहतर तैयारी देने की ओर प्रयासरत रहती है। उन्होंने कहा कि आकाश के अच्छे अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को संस्था की ओर से सम्मानित भी किया जाएगा।

आकाश नए ब्रांच भी खोलने की योजना बना रहा है जिससे अधिक से अधिक छात्र लाभान्वित हो पाए।

Ei-Samay 6/5/19

P. 6

সাউথ পয়েন্টের হেমন্ত ডাক্তারি পড়বে দিল্লিতে

এই সময়: ছেলেবেলায় যে শিশুরোগ বিশেষজ্ঞের কাছে বাবা-মা নিয়ে যেতেন, তাঁকে দেখেই ডাক্তারি পড়ার ইচ্ছে তৈরি হয়। ইচ্ছেটা এতটাই প্রবল ছিল যে বাড়িতে ফিরে ডাক্তার-ডাক্তার খেলা শুরু হত। খেলতে খেলতেই সে দিনের সেই শিশু কিশোরবেলা পেরিয়ে আজ সত্যিই ডাক্তারি পড়তে চলেছে। হেমন্ত খানডেলিয়া। সাউথ পয়েন্ট স্কুল থেকে দ্বাদশ উত্তীর্ণ হেমন্ত এ বার ডাক্তারির সর্বভারতীয় প্রবেশিকা 'নিট'-এর মেধা তালিকায় একাদশ স্থানে রয়েছে। বুধবারই প্রকাশিত হয়েছে এই মেধা তালিকা। ৭২০ নম্বরের মধ্যে ৬৯১ পাওয়া হেমন্তই এ রাজ্যে সেরার সেরা। যদিও হেমন্ত এ রাজ্যে থাকতে চায় না। পিকনিক গার্ডেনের ছেলে দিল্লির মৌলানা আজাদ মেডিক্যাল কলেজে ডাক্তারি পড়তে চাইছে। সিবিএসই দ্বাদশে ৯৬.৬০ শতাংশ নম্বর পাওয়া হেমন্ত এখনই অবশ্য জানাতে চায় না, বড় হয়ে কোন রোগের বিশেষজ্ঞ চিকিৎসক হতে চায়।

নিটে বঙ্গের সেরা ২

প্রথম হেমন্ত ও দ্বিতীয় সায়ন — এই সময়

বাংলা থেকে এমএইচ সায়ন শাহ সর্বভারতীয় তালিকায় ৪৪ এবং রাজ্যে দ্বিতীয় স্থানে রয়েছে। দার্জিলিংয়ের সেন্ট অ্যান্টনি স্কুল থেকে দশম, আর দিল্লির মিড ফিল্ড স্কুল থেকে বারো ক্লাস পাশ করেছে সে। কোটার অ্যালেন কেরিয়ার ইনস্টিটিউটে কোচিং নিত। কোচিং সেন্টারে ৬ ঘণ্টা ক্লাস আর ৫-৬ ঘণ্টা বাড়িতে পড়াশোনা—এই ছিল রুটিন। বাবা এনামুল হক জঙ্গিপুর সাব ডিভিশনাল হাসপাতালের চিকিৎসক। সায়নও দিল্লির এইমস-এ ডাক্তারি পড়তে চায়। তার কথায়, 'নিটে ১০০-র মধ্যে থাকব ভেবেছিলাম। কিন্তু ৫০-এর মধ্যে থাকাটা অপ্রত্যাশিত। ঈদে এটাই সেরা উপহার আমার আর পরিবারের কাছে।'

হেমন্তর বক্তব্য, 'সবে শুরু। বিশেষজ্ঞতার বিষয় এখনই ঠিক করে ফেললে ডাক্তারি শাস্ত্রের প্রাথমিক শিক্ষাটাই উপেক্ষিত হবে। তাই আমি আগে ভালো করে চিকিৎসা বিজ্ঞান সম্পর্কে ওয়াকিবহাল হতে চাই। তার পর কী করব, দেখা যাবে।' গিটার বাজাতে পছন্দ করা হেমন্তের শুনতে ভালো লাগে কোল্ড প্লে। পরীক্ষার প্রস্তুতি নিতে নিতে যখন ক্লান্ত হয়ে পড়ত, তার আশ্রায় ছিল গিটার আর কোল্ড প্লে-ই। বাবা কর্পোরেট সংস্থার জেনারেল ম্যানেজার। অর্থনৈতিক সমস্যা নেই। হেমন্তের কথায়, 'র‍্যাঙ্ক যখন পেলামই তখন দিল্লিতেই পড়তে চাই। কারণ, রাজ্যে থাকলে সমানে সমানে প্রতিযোগিতা পাব না। দিল্লিতে আমার পাশে র‍্যাঙ্ক করা ছাত্রছাত্রীরাই পড়তে আসবে। প্রতিযোগিতায় পড়াশোনাটাও ভালো হবে।'

নিটে বাংলার সেরা হেমন্ত

Aajkal, 6/6/19, p: 4

সাগরিকা দত্তচৌধুরি

ডাক্তারির সর্বভারতীয় প্রবেশিকা পরীক্ষা ন্যাশনাল এলিজিবিলিটি কাম এন্ট্রান্স টেস্ট (নিট) ফল প্রকাশিত হয় বুধবার। দেশের মধ্যে প্রথম হয়েছেন রাজস্থানের নলিন খান্ডেলওয়াল। মোট ৭২০ নম্বরের মধ্যে ৭০১ পেয়ে ৯৯.৯ শতাংশ নম্বর পেয়ে রাজ্যের মুখ উজ্জ্বল করেছেন। পশ্চিমবঙ্গ থেকে ১১তম স্থান দখল করে নিল কলকাতার হেমন্ত খান্ডেলিয়া। মুর্শিদাবাদের রঘুনাথগঞ্জ থেকে সায়ন শাহর র‍্যাঙ্ক ৪৪। এ বছর নিটে পরীক্ষার্থী ছিল মোট ১৪ লক্ষ ১০ হাজার ৭৫৫ জন। উত্তীর্ণ হয়েছেন ৭ লক্ষ ৯৭ হাজার ৪২ জন।

সাউথ পয়েন্টের পড়ুয়া হেমন্ত খান্ডেলিয়ার নিটে প্রাপ্ত নম্বর ৬৯১। দিল্লির মৌলানা আজাদ মেডিক্যাল কলেজে ভর্তি হতে চান। ১২ জুন এইমস প্রবেশিকার ফল বেরনোর কথা। সেটাতে সুযোগ পেলে দিল্লি বা দেশের মধ্যে অন্য কোনও এইমস থেকেই ডাক্তারি পড়বেন বলে স্থির করেছেন। পিকনিক গার্ডেনের এই পড়ুয়া উচ্চমাধ্যমিকে ৯৬.৬ শতাংশ নম্বর পেয়েছেন। একমাত্র ছেলের রেজাল্টে বাবা-মাও খুশি। হেমন্ত বলেন, 'আমি খুব খুশি। বিশ্বাসই করতে পারিনি এত ভাল রেজাল্ট করব। এই দু'বছর অনেক কিছু ত্যাগ করতে হয়েছে। কঠোর পরিশ্রম করেছি বলেই হয়তো এত ভাল ফল পেলাম। আপাতত কোনও স্পেশ্যালাইজেশন ঠিক করিনি। আগে এমবিবিএস ভাল করে পড়ি। তারপর চেষ্টা করব অঙ্কোলজি নিয়ে পড়ে ক্যান্সারের চিকিৎসক হওয়ার। তবে চূড়ান্ত কোনও সিদ্ধান্ত নিইনি। আমার পরিবারে কেউ চিকিৎসক নন। বাবা বেসরকারি এক সংস্থার জেনারেল ম্যানেজার। আমি ছোটবেলা থেকে যে চিকিৎসককে দেখিয়ে এসেছি তার কাছ থেকেই ডাক্তারি পড়ার অনুপ্রেরণা পেয়েছি।' আগামী দিনের পড়ুয়াদের উদ্দেশে হেমন্ত বলেন, 'অতিরিক্ত টেনশন না নিয়ে ঠিকমতো পড়াশোনা চালিয়ে যেতে হবে। কঠোর পরিশ্রম করলে অবশ্যই ভাল ফল মিলবে'।

সাউথ পয়েন্ট স্কুলের অপর পড়ুয়া অনুষ্টুপ ভট্টাচার্যর নিটে প্রাপ্ত নম্বর ৬৬৫। সর্বভারতীয় স্তরে ৪০৮ র‍্যাঙ্ক করেছেন। বালিগঞ্জের বাসিন্দা অনুষ্টুপ বলেন, 'আমি খুশি, তবে আরও একটু ভাল ফলের আশা করেছিলাম। ভারতের সেরা ছ'টি মেডিক্যাল কলেজের কোনও একটিতে যদি সুযোগ পাই পড়ব তা না হলে কলকাতার কোনও একটি সরকারি মেডিক্যাল কলেজেই ভর্তি হব।' এই স্কুল থেকেই উচ্চমাধ্যমিকে ৯৬.৪ শতাংশ নম্বর পেয়ে উত্তীর্ণ হয়েছেন। ডাক্তারি পরীক্ষায় উত্তীর্ণ হতে একাদশ শ্রেণী থেকেই বিশেষ প্রস্তুতি নিয়েছেন অনুষ্টুপ। ওঁর বাবা ডাঃ এস বি ভট্টাচার্য কার্ডিওলজিস্ট। ওঁর দাদু প্রয়াত ডাঃ শ্যামাদাস ভট্টাচার্য ন্যাশনাল মেডিক্যাল কলেজে মেডিসিন বিভাগে অ্যাসোসিয়েট প্রফেসর ছিলেন।

এই স্কুলের অপর পড়ুয়া বাটানগরের অদ্রিত দাস নিটে ৬৩৭ নম্বর পেয়ে সর্বভারতীয় স্তরে ১৯৯৬ র‍্যাঙ্ক করেছেন। ওঁর মা মধুতন্দ্রা দাস বলেন, 'ভেবেছিলাম ছেলে আর একটু ভাল করবে তবে এই রেজাল্টেও আমি খুশি। যদি এইমসে সুযোগ না পায় তাহলে কলকাতা মেডিক্যাল কলেজে ভর্তি হবে।' অদ্রিত সবসময় পড়াশোনার মধ্যে থাকতেন না। পড়াশোনার বাইরে নাচ, নাটক এবং অভিনয়ের সঙ্গে যুক্ত রয়েছেন। অদ্রিত বলেন, 'আমি উচ্চমাধ্যমিকে ৯৬.২ শতাংশ পেয়ে রাজ্যে ১১তম স্থান পেয়েছি। যখন মনে হত পড়তে বসতাম। যদি দিল্লি বা বেনারসে সুযোগ না পাই তাহলে কলকাতা থেকেই পড়ব। পরবর্তী সময়ে গরিবদের বিনামূল্যে চিকিৎসা।' ওঁর বাবা বরুণকুমার দাস চক্ষু চিকিৎসক। তাঁর কাছ থেকেই অনুপ্রেরণা পেয়েছেন বলে জানান অদ্রিত।

এ রাজ্য থেকে নিটে দিপ্রাসোম দাশ ৩৬তম র‍্যাঙ্ক করেছেন। কোচিংয়ের পড়া ছাড়াও দৈনিক তিন ঘণ্টা করে পড়তেন। তিনি বলেন, 'রেজাল্টে খুশি, তবে আরও ভাল কিছু হবে বলে আশা করেছিলাম। পড়াশোনার পাশাপাশি আমি গিটার বাজাতাম, ফুটবল খেলতাম, কখনও পিয়ানো বাজাতাম। পরীক্ষায় ভাল করতে এগুলি অনেক সাহায্য করেছে।' রাজ্য থেকে হর্ষ রামোলিয়া ৮৫তম র‍্যাঙ্ক করেছেন। চিকিৎসক হওয়ার পর সমাজে আর্থিকভাবে দুর্বলদের বিনামূল্যে পরিষেবা দেওয়ার চেষ্টা করবেন বলে জানান।

রাজ্যের অন্যান্য কৃতীরা হলেন ফাহিম আহমেদ ১১৬, অনিকেত মোদক ১২৭, উপাসনা বসু মল্লিক ১৩৭, সূর্যদীপ মণ্ডল ১৫৬, ঋষভ দে ৪৩৭ র‍্যাঙ্ক করেছেন।

হেমন্ত খান্ডেলিয়া

অনুষ্টুপ ভট্টাচার্য

অদ্রিত দাস